

**निश्चंद्र वि.** (तत्.) 1. जो चंद्रमा से रहित हो जैसे- निश्चंद्र निशा (चंद्र के प्रकाश से रहित रात) 2. घने अंधकार से युक्त (निशा/रात्रि)।

**निश्चक्षु वि.** (तत्.) बिना नेत्रों का, नेत्रहीन, अंधा।

**निश्चय पुं.** (तत्.) 1. किसी प्रकार के संशय से रहित ज्ञान 2. संकल्प 3. निर्णय 4. दृढ़ता, विश्वास, फैसला, निर्णय, निपटारा।

**निश्चयन पुं.** (तत्.) गणि., भा. किसी कार्यविधि से संबंधित उपलब्ध विविध विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त कार्यविधि के चयन की मानसिक प्रक्रिया जैसे- गणित में किसी प्रमेय की सिद्धि हेतु तर्कसंगत विकल्प का चयन। decision-making

**निश्चय वृत्ति स्त्री.** (तत्.) संदेह रहित बुद्धि, ज्ञान की धारणा।

**निश्चयवाचक सर्वनाम पुं.** (तत्.) भाषा. सर्वनाम का वह प्रकार जिससे निकटवर्ती या दूरवर्ती व्यक्ति, वस्तु या स्थान का पक्का (निश्चयात्मक) बोध होता है जैसे- यह, वह, वे, यही, वही, इसी, इन्हीं आदि पर्या. निर्देशात्मक सर्वनाम, संकेतवाचक सर्वनाम दे. सर्वनाम तु. अनिश्चयवाचक सर्वनाम।

**निश्चयवाद पुं.** (तत्.) विज्ञा. 1. वह सिद्धांत जो घटनाओं की व्याख्या प्राकृतिक नियमों के अनुकूल करता है 2. वह सिद्धांत या मत/वाद जिसके अनुसार मानव रुचियों, समस्त घटनाओं एवं निर्णयों के पीछे निश्चित कारण होता है जिसका प्रतिफल भी निश्चित होता है।

**निश्चयात्मक वि.** (तत्.) 1. पूर्णरूप से निश्चित किया हुआ, पक्का 2. सुनिश्चित विलो. अनिश्चयात्मक।

**निश्चयात्मकता स्त्री** (तत्.) निश्चयात्मक होने की स्थिति या भाव।

**निश्चयात्मक वृत्ति स्त्री.** (तत्.) व्या. क्रिया की तथ्यात्मकता को बताने वाली वृत्ति (आज्ञा इत्यादि बताने वाली नहीं)।

**निश्चयार्थक वाक्य पुं.** (तत्.) भाषा. रचना की दृष्टि से वाक्य का एक प्रकार जिसमें किसी

वस्तु स्थिति की सूचना होती है जैसे- वह मेरा भाई है, शेर मांसाहारी जानवर है पर्या. निर्देशक वाक्य तु. आजार्थक वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य।

**निश्चयार्थक वृत्ति स्त्री.** (तत्.) व्या., भाषा. क्रिया के निश्चित भाव/अर्थ को निर्देश करने वाली वृत्ति।

**निश्चर पुं.** (तत्.) गणि. वह गणितीय व्यंजक अथवा परिमाण जो निर्धारित अथवा निहित प्रतिबंधों के अधीन अपरिवर्तित रहता हो।

**निश्चरता स्त्री.** (तत्.) निश्चर होने का भाव या स्थिति दे. निश्चर।

**निश्चल वि.** (तत्.) 1. जो पूर्ण रूप से अचल हो जैसे- निश्चल पर्वत 2. स्थिरता से युक्त जैसे- निश्चल समाधि 3. जिसमें चंचलता का अभाव हो 4. जो बिल्कुल न हिले डुले छंद. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 15 वर्ण तथा छंद के प्रत्येक चरण में 23 मात्राएँ होती हैं।

**निश्चलता स्त्री.** (तत्.) 1. निश्चल होने की अवस्था या भाव 2. अचलता, स्थिरता 3. अपरिवर्तनशीलता दे. निश्चल।

**निश्चला स्त्री.** (तत्.) 1. सदा स्थिर रहने वाली, पृथ्वी 2. प्रकृति 3. शालपर्णी (सरिवन वृक्ष) वि. जो चल न हो जैसे- निश्चला गति, निश्चला प्रकृति (स्वभाव)।

**निश्चायक वि.** (तत्.) 1. निश्चय का ज्ञान कराने वाला 2. जिसके कारण किसी बात/तथ्य का संदेहरहित ज्ञान हो 3. निश्चित, ध्रुव जैसे निश्चायक तथ्यों की खोज 4. निर्णायक रूप से, अंतिम रूप से 5. दृढ़, कृतसंकल्प।

**निश्चायक प्रमाण पुं.** (तत्.) 1. वह प्रमाण जो किसी तथ्य की जानकारी के लिए निश्चायक हो 2. जो किसी घटना से संबंधित तथ्यों का पता लगाने में निश्चायक हो 3. वह प्रमाण जो किसी ऐतिहासिक तथ्यों, प्रतीकों, संस्कृति आदि की वास्तविकता जानने के लिए निश्चित रूप से उपयोगी हो 4. वह प्रमाण जो किसी वस्तु की गुणवत्ता, न्याय की पारदर्शिता व किसी वैज्ञानिक